

डॉ. सोमा घोष

Dr. Soma Ghosh



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. सोमा घोष

डॉ. सोमा घोष बनारस घराने की पथ प्रदर्शक गायिका हैं तथा शहनाई सम्राट उस्ताद बिस्मिल्ला खान की 'मानसपुत्री' हैं।

2. आपका जन्म 20 अप्रैल, 1962 को हुआ। डॉ. घोष एक बहुत ही प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखती हैं। आपके पिता, स्वर्गीय श्री मनमोहन चक्रवर्ती बनारस के महान स्वतंत्रता सेनानी थे। आपकी गायन प्रस्तुति में सेनिया सुर वाली ग्वालियर घराने की नाटकीय अभिव्यक्ति दिखाई देती है। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से साहित्य स्नातक श्रीमती घोष ने संगीत में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की तथा खयाल में अपनी डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। श्रीमती भागेश्वरी देवी के मार्गदर्शन में आपने बनारस घराने की ठेठ गायकी जैसे कि ठुमरी, टप्पा, होरी, चौती, कजरी, दादरा एवं गजल शैलियों में महारत हासिल की।

3. आपने उस्ताद बिसमिल्लाह खान के साथ पांच युगल गीत गाए जिनमें से एक गीत की प्रस्तुति लोकसभा के बाल योगी सभागार में तथा दूसरे की प्रस्तुति तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिए राष्ट्रपति भवन में दी गई। संसद के बाल योगी सभागार में वर्ष 2003 में आपकी प्रस्तुती पर आपको माननीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, श्रीमती सोनिया गांधी तथा श्री जसवंत सिंह द्वारा बधाई दी गई। आपने वर्ष 2006 में महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिए राष्ट्रपति भवन में अपनी गायन की प्रस्तुति दी। आपने भारत तथा विदेशों में आयोजित सभाओं एवं सम्मेलनों में अपने गायन की प्रस्तुति दी है जिसकी भूरि–भूरि प्रशंसा एवं सराहना हुई है। आपने हाल ही में वर्ष 2010 में पुनः राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति महोदया श्रीमती प्रतिभा पाटिल के समक्ष भी अपनी प्रस्तुति दी।

4. हाल ही में आपने अपनी सृजनात्मक ऊर्जा को मधु मूर्छना के माध्यम से संगीत कार्यक्रमों के आयोजन की ओर केन्द्रित किया है। इन कार्यक्रमों ने अनेक उभरती प्रतिभाओं को उजागर किया गया है, खत्म होती परम्पराओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया है तथा श्रद्धांजलि एवं परंपरा कार्यक्रमों के माध्यम से नकद पुरस्कार – 'सम्मान' प्रदान करके विभिन्न घरानों के उस्तादों को सम्मानित करने के साथ साथ जरूरतमंद एवं बीमार संगीतकारों की मदद भी की है। आप जिन विशिष्ट संगीत समारोहों का आयोजन करती हैं उनमें शास्त्रीय संगीत समारोह, छोटा ख्याल, बड़ा ख्याल, ठुमरी, दादरा, टप्पा, जो ठेठ बनारस घराने की विशिष्ट शैलियां है, शामिल हैं, दरबारी महफिल, होरी महफिल, कजरी महफिलों को माध्यम से आपने पुराने समय की दरबार महफिलों को पुनर्जीवित किया है और भारत की झलक के जरिए गीतों और नृर्तकों के साथ भारत के सभी राज्यों की लोक शैलियों को अभिव्यक्त किया है, वहीं आध्यात्मिक भारत के माध्यम से 'बंगाल बाऊल्स', मीरा, कबीर, तुलसी, अमीर खुसरो, जैसे सूफीयाना विशिष्टताओं भजन एवं विशेष विवाह गीतों को प्रस्तुत किया है। इन सभी उपर्युक्त संगीत समारोहों में प्रसिद्ध शास्त्रीय नर्तक द्वारा नृत्य की प्रस्तुति कुछेक गायकी संबंधी प्रस्तुतियों की विशेषता होती है।

5. आपको वर्ष 2011–12 में सर्वोत्तम गजल गायक के रूप में बिग स्टार आई एम ए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। स्वरांगना ललित कला केन्द्र, बनारस ने आपको काशी कोकिला की उपाधि से विभूषित किया है।

Dr. Soma Ghosh

Dr. Soma Ghosh is a Vocalist torch bearer of Banaras Gharana and the 'Manasputri' of Shehnai Samrat Ustad Bismillah Khan.

2. Born on April 20, 1962, Smt. Ghosh hails from a very respectable family. Her father, Late Shri Manmohan Chakravarty was a Great Freedom Fighter of Benaras. Her recital combines the playful expressions of Gwalior Gharana with Senia throwing. A literature graduate from Benaras Hindu University, she mastered in Music and completed her Doctorate in Khayal. Under Smt. Bageshwari Devi she specialized in the genres that typify Benaras singing, namely Thumri, Tappa, Hori, Chaiti, Kajari, Dadra and Ghazal.

3. Dr. Ghosh performed five duets with Ustad Bismillah Khan, one of which was at the Bal Yogi Auditorium in the Lok Sabha and the other at the Rashtrapati Bhawan for the then President of India, Dr. A.P.J. Kalam. At Soma's recital at the Parliament Bal Yogi auditorium, 2003, she was felicitated by Hon. Dr. A.P.J. Kalam, Smt. Sonia Gandhi & Shri Jaswant Singh. She performed at the Rashtrapati Bhavan in 2006 for Hon. President, Dr. A.P.J. Kalam. She has performed at Sabhas and Conferences across India & abroad those have been unfailingly well received and felicitated. She has again recently performed at the Rashtrapati Bhavan in 2010 for Hon. President, Smt. Pratibha Patil.

4. In recent times, Dr. Ghosh has focused her creative energy in hosting musical events through Madhu Murchhana. These have brought into limelight several rising talents; focused on withering traditions, saluted masters of the various Gharana with cash awards – 'Sanmans' through Shraddhanjali & Parampara Programs; and also helped needy & ailing musicians. Some special types of concerts that Dr. Soma Ghosh does are: Classical Concerts: Chota Kheyal & Bada Kheyal followed by Thumris, Dadara, Tappa – Specialities of Benaras Gharana. Revival of the ancient Court Mehfils through-Darbari Mehfils, Hori Mehfils, Kajri Mehfils. Glimpses of India- depicts folk styles of all States of India with songs & dances while Spiritual India- gives Sufiana Specialities of 'Bengal Bouls', Meera, Kabir, Tulsi, Amir Khusru, Bhajans & special marriage songs. Dance expression, in a few vocal items, by an eminent Classical dancer is a specialty in all the above types of concerts.

5. Dr. Ghosh has been awarded the BIG STAR IMA award as the best Ghazal Singer 2011-12. Swarangana Lalit Kala Kendra of Banaras conferred on her the title of 'Kashi Kokila.